नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)
ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र का दीक्षारंभ
विद्यार्थी अपने सपनों के अनुकूल भविष्य बनाएं – कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल

वर्धा, 04 नवंबर 2020 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा तथा

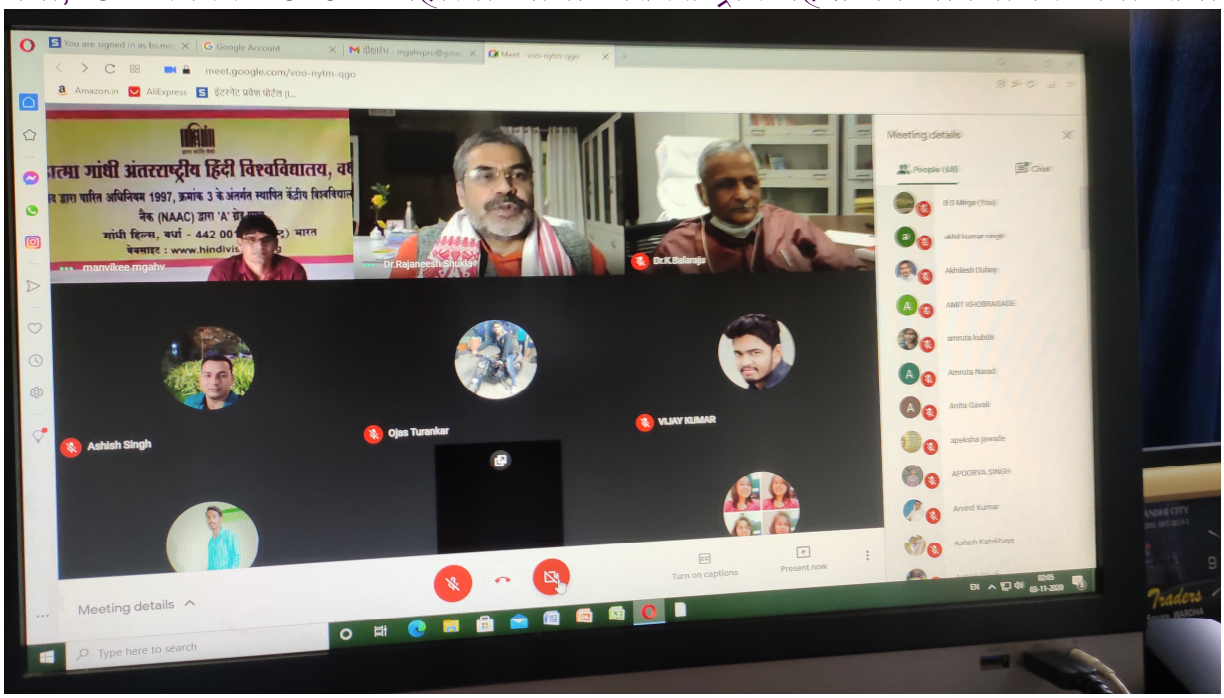

प्रयागराज स्थित महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र के विद्यार्थियों के लिए मंगलवार को आयोजित ऑनलाइन दीक्षारंभ कार्यक्रम में संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने कहा कि विद्यार्थी अपने अभिभावकों की आकांक्षाओं और अपने सपनों के अनुकूल भविष्य बनाने के लिए अध्ययन करें। विद्यार्थियों को तप, तपस्या और साधना से खूद को गुणवान बनाने की दिशा में हमेशा प्रयासरत रहकर विवेक और कर्मठता से एक अच्छा व्यक्ति बनने के अवसरों की खोज करनी चाहिए।

कुलपति प्रो. शुक्ल ने नई शिक्षा नीति 2020 का उल्लेख करते हुए कहा कि पूरी दुनिया जब लॉकडाउन में थी तब भारत बदल रहा था, नई शिक्षा नीति के माध्यम से युवाओं के भविष्य के परिवर्तन के सपने देखे जा रहे थे। लगभग पांच वर्षों के लंबे जद्दोजहद के बाद करोडों लोगों की सहभागिता के साथ भारत की शिक्षा नीति निर्मित करते हुए उसे लागू करने का संकल्प किया गया है। हम उस शिक्षा नीति के परिवर्तन के दौर के विद्यार्थी, अध्यापक है। भारत की पीढियां बनाने की जिम्मेदारी हमारे ऊपर आयी है। भारत के लोगों का भविष्य, भारतीय जन की आकांक्षाओं के अनुरूप बनाने की भी जिम्मेदारी भी हम सब पर हैं। उन्होंने कहा कि तकनीकी का उपयोग करते हुए डिजिटल और ऑनलाइन माध्यम से पढ़ना यह विशेष प्रकार की चुनौती आज के दौर में आयी है। अब समाज कार्य के विद्यार्थियों को क्षेत्रीय कार्य भी डिजिटल प्लेटफार्म पर करना है। कुलपति प्रो. शुक्ल ने विश्वास जताया कि इस चुनौती से

निपटने में आप कामयाब होंगे। सामाजिक परिवर्तन के अभिकर्ता के रूप में मर्यादा पुरूषोत्तम राम का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि समाज कार्य जैसा विषय मानवीय मूल्यों की पुनर्स्थापना का यत्न है। युवाओं के सामाजिक परिवर्तन के इतिहास का जिक्र करते हुए उन्होंने नचिकेता, कृष्णदेवराय, छत्रपति शिवाजी, राजगुरु, भगतसिंह आदि की समृद्ध भारतीय विद्यार्थी परंपरा का संदर्भ अपने उदबोधन में दिया।

उन्होंने विश्वास दिलाया कि विश्वविद्यालय आपको बेहतर शिक्षा का अवसर देगा, साथ ही अच्छा मनुष्य बनाने के उचित अवसर प्रदान करेगा। आप जो ज्ञान और कौशल प्राप्त करोगे वह फलवान होगा। आप अपने भविष्य के निर्माता है। शिक्षक के रूप में हम सब की भूमिका है कि आपका भविष्य और आपके सपनों के बीच संबंध बन सकें इसके लिए समवेत रूप में हम सब को प्रयास करना होगा। उच्च शिक्षा सामूहिक रूप से आगे बढ़ने से ही संभव हो सकती है। कुलपति प्रो. शुक्ल ने नवागंतूक विद्यार्थियों के प्रति विश्वास जताया कि आप एक श्रेष्ठ, समर्थ, उत्तरदायी, सक्षम और कुशल व्यक्ति तथा उपयोगी सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में इस विश्वविद्यालय से दीक्षांत कर निकलेंगे।

कार्यक्रम का स्वागत वक्तव्य महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. मनोज कुमार ने दिया। उन्होंने कहा कि समाज कार्य के विद्यार्थियों को गांधी विचार और ग्राम संरचना आधारित प्रयोगों से जोड़ा जाएगा। प्रयागराज केंद्र के अकादमिक निदेशक प्रो. अखिलेश दुबे ने नव-प्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का संचालन केंद्र के सहायक प्रोफेसर डॉ. शिव सिंह बघेल ने किया तथा धन्यवाद केंद्र के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. के. बालराजू ने ज्ञापित किया। दीक्षारंभ कार्यक्रम में मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. कृपा शंकर चौबे, केंद्र के अध्यापक सहायक प्रोफेसर डॉ. मिथिलेश कुमार, डॉ. वरुण उपाध्याय, डॉ. अमोद गुर्जर, गजानन एस. निलामे तथा देश के विभिन्न राज्यों के विद्यार्थी शामिल हुए।

महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्राचा दीक्षारंभ
विद्यार्थ्यांनी आपल्या स्वप्नानुसार भविष्य घडवावे – प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल

वर्धा, 04 नोव्हेंबर 2020 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा तथा प्रयागराज येथील महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्राच्या विद्यार्थ्यांकरिता मंगळवारी आयोजित ऑनलाइन दीक्षारंभ कार्यक्रमास संबोधित करतांना कुलगुरु प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल म्हणाले की विद्यार्थ्यांनी आपल्या पालकांच्या आकांक्षा आणि स्वत:ची स्वप्ने या अनुकूल भविष्य घडवण्यासाठी अध्ययन केले पाहिजे. विद्यार्थ्यांनी तप, तपस्या व साधना यातून गुणवान झाले पाहिजे तसेच विवेक व कर्मठतेतून चांगला व्यक्ती होण्याच्या संधींचा शोध घेत राहिले पाहिजे असा मंत्र त्यांनी नवप्रवेशीत विद्यार्थ्यांना दिला.

स्वागत महात्मा गांधी फ्यूजी गुरुजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्राचे निदेशक प्रो. मनोज कुमार यांनी केले. समाज कार्य अभ्यासक्रमाच्या विद्यार्थ्यांना गांधी विचार व ग्राम संरचना आधारित प्रयोगांशी जोडण्यात येईल असे ते म्हणाले. प्रयागराज केंद्राचे अकादमिक निदेशक प्रो. अखिलेश दुबे यांनीही आपले मनोगत व्यक्त केले. कार्यक्रमाचे संचालन सहायक प्रोफेसर डॉ. शिव सिंह बघेल यांनी केले तर आभार एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. के. बालराजू यांनी मानले. या आभासी कार्यक्रमात मानविकी व सामाजिक विज्ञान विद्यापीठाचे अधिष्ठाता प्रो. कृपा शंकर चौबे, केंद्राचे सहायक प्रोफेसर डॉ.

मिथिलेश कुमार, डॉ. वरुण उपाध्याय, डॉ. अमोद गुर्जर, गजानन एस. निलामे यांच्या सह विविध राज्यातील विद्यार्थी सहभागी झाले होते.

नवे शैक्षणिक धोरण 2020 चा उल्लेख करत कुलगुरु प्रो. शुक्ल पुढे म्हणाले की संपूर्ण जग लॉकडाउन मध्ये असतांना भारत बदलत होता व युवकांच्या भविष्यात परिवर्तन आणण्याचे स्वप्न बघत होता. पाच वर्षांच्या प्रदीर्घ प्रयत्नानंतर कोट्यवधी लोकांच्या सहभागातून शैक्षणिक धोरण लागू करण्याचा संकल्प करण्यात आला आहे.

तंत्रज्ञानाचा उपयोग करत डिजिटल व ऑनलाइन माध्यमातून शिकण्याचे नवे आव्हान आपल्यापुढे आहे असे ते म्हणाले. सामाजिक परिवर्तनाचे अभिकर्ता मर्यादा पुरूषोत्तम राम यांचा संदर्भ देऊन समाज कार्य हा विषय मानवीय मूल्यांची पुनर्स्थापना करण्याचा प्रयत्न होय असे त्यांनी सांगितले. युवकांच्या सामाजिक परिवर्तनाचा इतिहास सांगत त्यांनी नचिकेता, कृष्णदेवराय, छत्रपति शिवाजी महाराज, राजगुरु, भगतसिंह यांच्या समृद्ध भारतीय विद्यार्थी परंपरेचा संदर्भ दिला. विश्वविद्यालय आपणास शिक्षणाची उत्तम संधी देईल तसेच चांगला व्यक्ती घडवण्यासाठी प्रयत्न करेल अशी ग्वाही त्यांनी दिली. आपणच आपल्या भविष्याचे निर्माता आहात असे सांगून आपण एक श्रेष्ठ, समर्थ, उत्तरदायी, सक्षम व कुशल व्यक्ती तथा उपयोगी सामाजिक कार्यकर्ता होऊन या विश्वविद्यालयातून बाहेर पडावे अशी अपेक्षा प्रो. शुक्ल यांनी व्यक्त केली.

माननीय संपादक / संवाददाता

महोदय, संलग्न समाचार प्रकाशित कर अनुगृहीत करने का कष्ट करें।

धन्यवाद।

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442 001 (महाराष्ट्र), भारत
Post Hindi Vishwavidyalaya, Gandhi Hills, Wardha-442001 (Maharashtra), INDIA
ई-मेल/E-mail: mgahvpro@gmail.com, वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org